

पैन पावर

वर्ष - 1 अंक - 3

रविवार, जुलाई 5, 2026

विशाखापट्टनम संपादक: गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1₹

कुप्पम में भी सोना उत्पादन करेंगे: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू



चित्तूर (पैन पावर न्यूज़): आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि कुप्पम विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए सरकार विशेष कार्ययोजना पर काम कर रही है। कुप्पम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जौनागिरि में गोल्ड फील्ड्स का उद्घाटन किया जा चुका है और कुप्पम में भी सोने के भंडार होने की जानकारी सामने आ रही है। ऐसे में इन संसाधनों को उपयोग में लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने लोगों की जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार विवादित भूमि मामलों के समाधान पर काम कर रही है।
सरकार का विकास लक्ष्य
चंद्रबाबू नायडू ने घोषणा की कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (जच्चे) के धन से 34 करोड़ रुपये की लागत से कुप्पम के मंदिरों का विकास किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने कुप्पम के विकास के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया

अपनाया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने फिल्मी सेट जैसी व्यवस्थाएं बनाकर लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की कि कुप्पम में पानी पहुंचा दिया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कुप्पम आने वाले लोगों को नया अनुभव देने के लिए एलीफेंट सफारी, रॉक क्लाइम्बिंग और ट्रेकिंग जैसी पर्यटन परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कुप्पम के समग्र विकास के लिए नतइंद्र श्रनतवदह तथा प्दकपंद प्द. जपजनजम व ज्मबीदवसवहल इंद्रचनत जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से एक व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।
“राजनीति में गुंडों के आने से हुई कई दुखद घटनाएं”
राजनीति पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे जनता के प्रति हमेशा सौम्य रहते हैं, लेकिन समाज विरोधी तत्वों के खिलाफ सख्ती से पेश आते हैं। उन्होंने कहा कि रायलसीमा में गुटीय राजनीति पर फिल्में बनने का दौर अब समाप्त हो चुका है और क्षेत्र की परिस्थितियां

पूरी तरह बदल चुकी हैं। उन्होंने बताया कि अगले दो वर्षों में उनका राजनीतिक जीवन 50 वर्ष पूरा कर लेगा। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राजनीति में असामाजिक और आपराधिक तत्वों के प्रवेश के कारण राज्य में कई दुखद घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि त. टपअमांदंदक त्मककल की हत्या और ‘कोडी कर्ति’ हमले जैसी घटनाओं के लिए उन्हें गलत तरीके से जिम्मेदार ठहराया गया। उन्होंने कानून-व्यवस्था और अन्य मामलों को लेकर भी पिछली सरकार की आलोचना की।
“राजधानी को बदलना संभव नहीं”
राजधानी के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कानून बनाए जाने के बाद राजधानी को बदलना संभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अमरावती के स्थान पर नए नाम और अवध गांधीगार् प्रस्तुत कर जनता में भ्रम पैदा कर रहे हैं। चंद्रबाबू नायडू ने स्पष्ट किया कि सरकार का मुख्य लक्ष्य [उत्तंअंजप का विकास है।

पीएम मोदी ने जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का किया उद्घाटन, पर्यटन और व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

जोधपुर, ४ जुलाई (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के जोधपुर हवाई अड्डे पर निर्मित अत्याधुनिक नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस टर्मिनल का निर्माण विकास और विरासत संरक्षण दोनों को समान महत्व देते हुए किया गया है। इससे मारवाड़ क्षेत्र को बेहतर हवाई संपर्क मिलेगा तथा पर्यटन, व्यापार और आर्थिक विकास के नए अवसर सृजित होंगे। करीब 480 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह नया टर्मिनल आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है, जिससे यात्रियों को तेज सेवाएं, विशाल प्रतीक्षालय, बेहतर सुखा व्यवस्था और उन्नत तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। नए टर्मिनल की वार्षिक क्षमता लगभग 20 लाख यात्रियों को संभालने की है। इसे वर्तमान यात्री संख्या के साथ-साथ भविष्य में संभावित वृद्धि को ध्यान में रखकर विस्तारित क्षमता के साथ तैयार किया गया है। अधिकारियों के



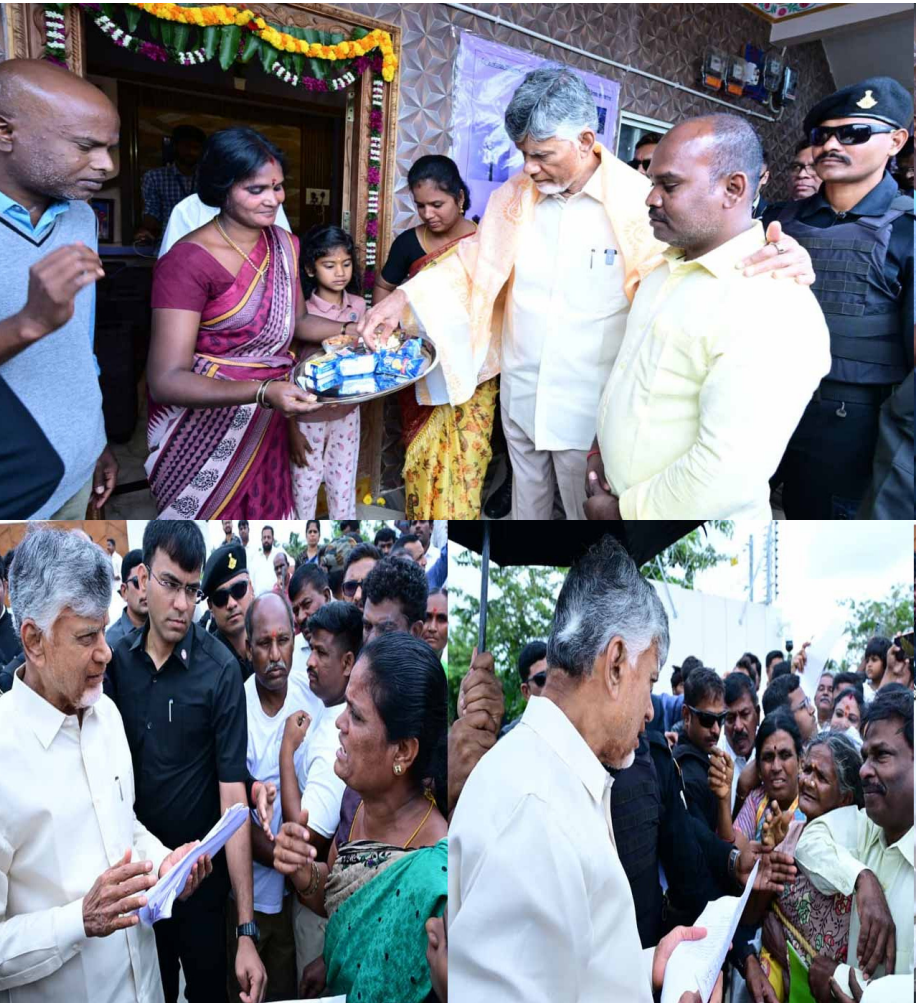
अनुसार, इससे हवाई अड्डे की सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। हवाई अड्डे पर एक साथ 12 विमानों के खड़े होने की व्यवस्था के लिए विशेष पार्किंग बें बनाए गए हैं, जिससे विमानों की आवाजाही अधिक सुगम और प्रभावी होगी। घरेलू उड़ानों के अलावा यह आधारभूत संरचना

भविष्य में अंतरराष्ट्रीय सेवाओं के विस्तार में भी सहायक सिद्ध होगी। टर्मिनल का निर्माण पर्यावरण-अनुकूल तकनीक का उपयोग करते हुए किया गया है। इसमें ऊर्जा संरक्षण, प्राकृतिक प्रकाश के अधिकतम उपयोग और पर्यावरण सुरक्षा से जुड़े विशेष प्रावधान किए गए हैं। साथ ही भविष्य की आवश्यकताओं को

भी ध्यान में रखा गया है। नए टर्मिनल के संचालन से मारवाड़ क्षेत्र की परिवहन संपर्क व्यवस्था और मजबूत होगी। केंद्र सरकार का कहना है कि यह परियोजना पर्यटन, व्यापार, निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा राजस्थान के आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगी।

कुप्पम में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू का दौरा, नेट-जीरो मॉडल अपनाने वाले घरों का निरीक्षण

चित्तूर, ४ जुलाई (पैन पावर न्यूज़): आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का कुप्पम विधानसभा क्षेत्र का दूसरा दिन का दौरा शनिवार को जारी रहा। कडपल्ले गांव स्थित मुख्यमंत्री के निवास पर बड़ी संख्या में समर्थक और स्थानीय लोग पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सभी से आत्मीयता से मुलाकात की और विभिन्न समस्याओं से संबंधित ज्ञापन प्राप्त किए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने नलगामपल्ली गांव का दौरा कर वहां नेट-जीरो मॉडल अपनाने वाले घरों का निरीक्षण किया। उन्होंने गांव में स्थापित रूफटॉप सोलर सिस्टम, इंडक्शन कुकटॉप के उपयोग, टेरस गार्डनिंग और वर्षा जल संरक्षण प्रणालियों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नलगामपल्ली मॉडल को एक केस स्टडी के रूप में लेकर पूरे कुप्पम क्षेत्र में नेट-जीरो पहल का विस्तार किया जाए। एक ग्रामीण के घर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने सोलर पैनलों की संख्या, बिजली उत्पादन और उससे घरेलू जरूरतों की पूर्ति के बारे में जानकारी ली। लाभार्थियों ने बताया कि सौर ऊर्जा से चलने वाले इंडक्शन स्टोव के उपयोग से उन्हें प्रति माह लगभग 400 रुपये की बचत हो रही है।



मुख्यमंत्री ने वर्षा जल संचयन, किचन कम्पोस्ट के माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन, किचन गार्डन और टेरस गार्डन की भी समीक्षा की। उन्होंने सुझाव दिया कि

नेट-जीरो मॉडल के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) के उपयोग को भी शामिल किया जाए। चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को गांव स्तर पर स्कूल इकोनॉमी

को लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नलगामपल्ली द्वारा अपनाया जा रहा मॉडल पूरे राज्य के लिए एक आदर्श उदाहरण बन सकता है।

कुप्पम को आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाएंगे: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू

चित्तूर, ४ जुलाई (पैन पावर न्यूज़): आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि कुप्पम के लोगों को रोजगार या अन्य अवसरों के लिए कहीं और जाने की आवश्यकता नहीं पड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने ऐसे विकास कार्यों की शुरुआत की है जो कुप्पम का इतिहास बदल देंगे और ये परियोजनाएं “स्वर्णिम कुप्पम” की नींव साबित होंगी। शनिवार को कुप्पम विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान आयोजित

एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रायलसीमा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर परियोजनाएं आ रही हैं और भविष्य में अन्य क्षेत्रों के लोग यहां रोजगार के लिए आएंगे। उन्होंने बताया कि कुप्पम विधानसभा क्षेत्र में लगभग 80,000 रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सरकार सैकड़ों पोल्ट्री किसानों को सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रस्तावित एंडिडास

औद्योगिक परियोजना से लगभग 20,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में डेयरी, फूड प्रोसेसिंग और पोल्ट्री उद्योग विकसित हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने माइक्रो इरिगेशन को आंध्र प्रदेश के लिए “संजीवनी” बताया।
रायलसीमा में ६ लाख करोड़ का हॉर्टिकल्चर हब
मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि रायलसीमा में ६ लाख करोड़ की लागत से हॉर्टिकल्चर हब स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें ६80,000 करोड़ का निवेश निजी क्षेत्र से और ६40,000 करोड़ का निवेश सरकार की ओर से किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि कुप्पम एक प्रमुख हॉर्टिकल्चर हब के रूप में विकसित होगा। किसानों को वाणिज्यिक और सब्जी फसलों की खेती करने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि इनसे बेहतर आय प्राप्त हो सकती है। उन्होंने कुप्पम को एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित करने की अपनी

प्रतिबद्धता दोहराई। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि भविष्य इलेक्ट्रिक वाहनों का है और आने वाले समय में अधिक से अधिक लोग इनका उपयोग करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आगे चलकर अधिकांश बसें वातानुकूलित और इलेक्ट्रिक होंगी।
शासन और राजनीति पर टिप्पणी
मुख्यमंत्री ने सभी धर्मों का सम्मान करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी अन्य धर्म के लोगों पर हमला करना उचित नहीं है। वार्डएसआरसीपी सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि उसके कार्यकाल में राज्य को नुकसान पहुंचाया गया और पिछले पांच वर्षों में आंध्र प्रदेश का विकास प्रभावित हुआ। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने कुप्पम के साथ पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और हंड्री-नीवा परियोजना के पानी की आपूर्ति को लेकर केवल दिखावटी कदम उठाए।

मुझे मेरे बेटे की अस्थियां चाहिए: गादे साई कृष्ण की मां

विजयवाड़ा, 4 जुलाई: गादे साई कृष्ण मामले में मजिस्ट्रेट जांच जारी है। शनिवार को विजयवाड़ा स्थित सब-क्लेक्टर कार्यालय में हुई जांच में साई कृष्ण की मां विजयलक्ष्मी, उनके मामा नागेश्वर राव और मौसी ने उपस्थित होकर अपने बयान दर्ज कराए। जांच के दौरान विजयलक्ष्मी ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे साई कृष्ण की हत्या पुलिस ने की और बाद में उसके शव को गायब कर दिया गया। विजयलक्ष्मी ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि साई कृष्ण कृष्णलंका पुलिस थाने में मौजूद है। इसके बाद वे वहां पहुंचे, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सर्किल इंस्पेक्टर (सीआई) नागराजू ने उन्हें अपने बेटे से मिलने नहीं दिया और वापस भेज दिया। “जांच के दौरान मुझसे मामले के बारे में विस्तार से पूछताछ की गई। मुझे मेरे बेटे की अस्थियां चाहिए। मेरे बेटे को क्यों मारा गया? इस मामले में शामिल सभी लोगों को सजा मिलनी चाहिए। मेरे बेटे को कथित रूप से प्रताड़ित कर मार दिया गया। केवल चार-पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, बाकी लोगों को क्यों नहीं पकड़ा गया? जो लोग मेरे घर आए और मेरे बेटे को ले गए, वे कहाँ हैं? इस मामले में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। मुझे पता है कि इसमें कौन-कौन शामिल है। पुलिस थाने में रखी राख किसकी है, यह कौन जानता है? यह कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है कि वह मेरे बेटे की ही है? नागराजू ने कितने लोगों को मारा होगा, यह कौन जानता है? अब तो मुझे भी मारने की कोशिश की जा रही है। आखिर मेरे बेटे को क्यों मारा गया? इसका कारण मुझे बताया जाना चाहिए।” मजिस्ट्रेट जांच लगभग दो घंटे से अधिक समय तक चली। विजयलक्ष्मी ने कहा कि मामले की पूरी सच्चाई सामने लाने के लिए व्यापक और निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

राजधानी मुद्दे पर बिना नीति का नारा: लंका दिनकर ने जगन पर साधा निशाना

अमरावती, 4 जुलाई: आंध्र प्रदेश बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष लंका दिनकर ने वार्डएसआरसीपी अध्यक्ष वार्ड. एस. जगन मोहन रेड्डी पर राजधानी मुद्दे को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जगन को राजधानी के विषय में बुनियादी समझ भी नहीं है। दिनकर ने तंज कसते हुए कहा कि “माविगन एक ऐसी बंदूक है जिसमें गोली ही नहीं है, इसलिए वह कभी चल नहीं सकती।”

उन्होंने जगन पर लगातार अपने राजनीतिक नारों को बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, “कल तीन राजधानियां हमारा नारा थीं, आज माविगन हमारा नारा है, और कल कोई नया भ्रम पैदा करने वाला नारा सामने आ सकता है।” दिनकर ने कहा कि प्रधानमंत्री छत्तमदकर्त डवकप का संकल्प विकसित भारत है और मुख्यमंत्री छ. बैदकर्तइंन छंपकन का लक्ष्य स्वर्ण आंध्र प्रदेश बनाना

है। उन्होंने आरोप लगाया कि जगन का एजेंडा राज्य को विकास के बजाय विनाश की ओर ले जाने वाला है।
“डबल इंजन सरकार में विकास की ओर बढ़ रहा राज्य”
लंका दिनकर ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश समग्र और समावेशी विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि ६१ लाख करोड़ के हॉर्टिकल्चर हब के माध्यम से

रायलसीमा और मार्कापुरम क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार च्वसअंतंत च्त्वरमबज को आंध्र प्रदेश की जीवनरेखा मानते हुए इसे नल्लमाला सागर-बोल्लापल्ली और वेलिगोंडा परियोजनाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रही है, ताकि मार्कापुरम, कडप्पा और नेल्लोर जिलों में सूखे की समस्या का स्थायी समाधान किया जा सके। दिनकर ने कहा कि सरकार

राज्य के सभी क्षेत्रों के संतुलित विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जगन इन विकास कार्यों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए “माविगन” जैसे नारों के माध्यम से विवाद खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जगन विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को भड़काकर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं और इस तरह की राजनीति की कड़ी आलोचना की।



संपादकीय

परिवर्तन की जड़ें

कुछ क्षण केवल एक उपलब्धि बर नहीं होते, वे एक पूरी यात्रा को रोशन कर देते हैं। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चार पंचायती राज पहलों का चयन ऐसा ही एक क्षण है, ऐसा क्षण जो किसी एक कार्यालय का नहीं, बल्कि हर ग्राम पंचायत और हर उस नागरिक का है, जिसने डिजिटल रूप से सशक्त ग्रामीण भारत के सपने पर भरोसा किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर, भारत की पंचायतें भारोसे, तकनीक और परिवर्तन का एक नया अध्याय लिख रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के बारह परिवर्तनकारी वर्षों के इस पड़ाव पर यह सम्मान विशेष महत्व रखता है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार पंचायती राज संस्थाएं मात्र योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित निकायों से आगे बढ़कर, शासन की तीसरी स्तरीय व्यवस्था की आत्मविश्वासी, सक्षम और तकनीकी रूप से दक्ष संस्थाओं के रूप में स्थापित हुई हैं। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा स्थापित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से उत्कृष्ट लोक सेवा वितरण के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान है। इस वर्ष सात श्रेणियों में चयनित 17 परियोजनाओं में से 4 पंचायती राज क्षेत्र से संबंधित हैं, जो जमीनी स्तर पर नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु पिछले बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों का स्वाभाविक परिणाम है। ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन के मूल्यांकन हेतु पंचायती राज मंत्रालय की प्रमुख पहल, पंचायत एडवांस्ड इंडेक्स, को डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस सूचकांक के आने से पहले, देश की 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए कोई मानकीकृत, डेटा आधारित राष्ट्रीय ढांचा उपलब्ध नहीं था। आज यह सूचकांक डेटा, प्रदर्शन, जवाब और जनभागीदारी को आपस में जोड़ने वाली एक पारदर्शी पहनावदेही व्यवस्था का निर्माण कर रहा है। उल्लेखनीय यह है कि दो ग्राम पंचायतों ने अपने स्वयं के प्रयासों से यह सम्मान अर्जित किया है। महाराष्ट्र के सांगली जिले की कडेपुर ग्राम पंचायत ने ग्रासरूट स्तर की पहलों की श्रेणी में स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया है। यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से 1,300 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं, पश्चिम त्रिपुरा की बिजय नगर ग्राम पंचायत को रजत पुरस्कार मिला है। पंचायत ने अपने स्वयं के स्रोतों से आय में लगभग 194 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और महिलाओं के बीच शत-प्रतिशत डिजिटल साक्षरता हासिल की है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग को ‘ई-आरोग्य धमनी’ पहल के माध्यम से दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों के लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए जिला स्तरीय पहल श्रेणी में गोल्ड अवार्ड के लिए चयनित किया गया। ये पुरस्कार मिलकर एक महत्वपूर्ण संदेश देते हैं। ई-गवर्नेंस में उत्कृष्टता अब केवल राज्यों की राजधानियों या जिला मुख्यालयों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह समान रूप से हमारे गांवों और ग्राम सभाओं में भी स्थापित हो चुकी है। इस वर्ष 30 राज्यों की 1.65 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों ने इसमें भाग लिया, जो हमारे द्वारा मिलकर तैयार की गई संस्थागत क्षमता और विश्वास को दर्शाता है। यह उपलब्धि संयोग से नहीं मिली है। पिछले बारह वर्षों में मंत्रालय ने पंचायतों को निरंतर बेहतर साधन उपलब्ध कराए हैं। ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2.59 लाख से अधिक पंचायतों में योजना निर्माण, बजट और भुगतान प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है, जिससे पब्लिक पाइबोर्डशियल मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से ?3.16 लाख करोड़ से अधिक के ऑनलाइन लेन-देन संभव हुए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सभासभा प्लेटफॉर्म, जो 23 भारतीय भाषाओं में कार्य करता है, अब 1.35 लाख से अधिक पंचायतों में चंद मिनटों में ग्राम सभा की कार्यवाही तैयार कर देता है। मेरी पंचायत ऐप, जिसे 1 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है, विकास कार्यो की जानकारी सीधे नागरिकों तक पहुंचा रहा है। इन प्रयासों के साथ-साथ, स्वाभिव योजना के तहत 3.30 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है तथा जून 2026 के मध्य तक 1.94 लाख गांवों के लिए 3.19 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों के संपत्ति अधिकार सुरद्ध हुए हैं और उन्हें ऋण सुविधा प्राप्त करने में आसानी हुई है। पंद्रहवें वित्त आयोग की अवधि में ग्रामीण स्थानीय निकायों को ?2.82 लाख करोड़ की अनुदान राशि जारी की गई, जो अब तक की सर्वाधिक है। सोलहवें वित्त आयोग ने वर्ष 2026 से 2031 के लिए ?4.35 लाख करोड़ की सिफारिश की है, जो लगभग 84 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने ‘सेवा से समृद्धि: पंचायतों के नेतृत्व में सेवा वितरण’ विषय पर क्षेत्रीय कार्यशालाओं की एक श्रृंखला शुरू की है। इन कार्यशालाओं में पंचायत प्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी और विषय विशेषज्ञ मिलकर स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका और बुनियादी सुविधाओं जैसे क्षेत्रों में लोगों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से सफल स्थानीय पहलों और नवाचारों को साझा किया जा रहा है, ताकि राज्य एक-दूसरे के अनुभवों से सीख सकें और अच्छे मॉडलों को व्यापक स्तर पर अपनाया जा सके। इनकी उपयोगिता और विस्तार की संभावनाएं बहुत व्यापक हैं। एनएईजी 2026 में चयनित पंचायती राज संस्थाओं की उपलब्धियां देशभर की पंचायतों को प्रेरित कर रही हैं, और अनेक पंचायतें अपने गांवों में बेहतर सेवाएं पहुंचाकर समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के लिए ऐसे मॉडलों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सदैव यह बल देते रहे हैं कि सुशासन वही है जो नागरिकों का जीवन सरल बनाए। पारदर्शी और तकनीक सक्षम व्यवस्थाओं के माध्यम से प्राप्त ‘ईज ऑफ़ लिविंग’ ही किसी सरकार की मंशा और क्षमता की सच्ची कसौटी है। यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि दूसरों का सम्मान करना स्वयं के सम्मान का मार्ग प्रशस्त करता है। पंचायतों को डिजिटल साधनों से सशक्त बनाकर और उनकी क्षमता पर विश्वास जताकर, केंद्र सरकार ने इस महत्वपूर्ण मंच पर देश को सम्मानित होने का मार्ग प्रशस्त किया है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, सशक्त पंचायतों की भूमिका और भी केंद्रीय होती जा रही है। लगभग 90 करोड़ नागरिकों के ग्रामीण भारत में निवास करने के साथ, हमारी पंचायती राज संस्थाओं की मजबूती ही हमारी सामूहिक प्रगति की गति तय करेगी। विकसित पंचायत, विकसित भारत से अलग नहीं, बल्कि उसकी सबसे मजबूत नींव है। ये चार राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार बेहतर प्रदर्शन, प्रगति और निरंतर आगे बढ़ने के प्रतीक हैं। ये जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे प्रत्येक सरपंच, पंचायत सचिव और महिला जनप्रतिनिधि के लिए एक प्रेरणा है कि उनके समर्पण और प्रयासों को पहचान मिल रही है, उनकी सराहना की जा रही है और उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। बारह वर्षों के निरंतर प्रयासों ने ही ऐसी उत्कृष्टता के उभरने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। एनएईजी 2026 में मिली पहचान से लेकर देशभर में बढ़ती सेवा से समृद्धि कार्यशालाओं की गति तक, यह सफलता इस बात की पुष्टि करती है कि ग्रामीण भारत में ई-गवर्नेंस की जड़ें वास्तव में गहरी हो चुकी हैं, और विकसित पंचायत के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण की यह यात्रा हर गुजरते वर्ष के साथ और सशक्त होती जा रही है।

शी-लीप्स : लखपति दीदियों के लिए डिजिटल सशक्तिकरण

शी-लीप्स का अर्थ समृद्धि और स्थिरता के लिए स्वयं-सहायता उद्यमी-आजीविका और उद्यम एप्लीकेशन है। यह भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए एक डिजिटल मंच है। इसे उद्यम निर्माण और प्रदर्शन ट्रैकिंग के लिए एक एकीकृत मंच के माध्यम से किया जा रहा है। शी-लीप्स ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका सृजन, उद्यम विकास और वित्तीय समावेशन का समर्थन करता है। यह कृषि और गैर-कृषि दोनों प्रकार के ग्रामीण उद्यमों को सहायता प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य एक मजबूत और अधिक दीर्घकालिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन को डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा तैयार किया गया है और इसे एलओकेओएस प्लेटफॉर्म के अंतर्गत कार्यान्वित किया गया है। एलओकेओएस एक डिजिटल सिस्टम है जिसे भारत भर में सामुदायिक संगठनों (सीबीओ) की गतिविधियों को रिकॉर्ड करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन और क्लस्टर स्तरीय संघ शामिल हैं। एलओकेओएस सीबीओ की गतिविधियों को डिजिटाइज़ करने में सहायता करता है, जैसे कि सदस्यों के रिकॉर्ड, वित्तीय लेनदेन और आजीविका संबंधी रिकॉर्ड रखना और समन्वय पहलों पर निगरानी रखना। शी-लीप्स का शुभारंभ 29 जून, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में किया गया। ‘ग्रामोद्यम से राष्ट्रोदय’ विषय पर आधारित इस दो दिवसीय सम्मेलन में प्रमुख

ग्रामीण विकास योजनाओं के कार्यान्वयन और प्रगति की समीक्षा की गई। इसका मुख्य उद्देश्य सरकार के ‘विकसित ग्राम- विकसित भारत’ के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए रणनीतियां तैयार करना था। शी-लीप्स का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ शी-लीप्स निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने पर केंद्रित है: देशभर में ग्रामीण स्वयं सहायता समूह की महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों का सृजन और उन्हें मजबूत बनाना। ग्रामीण उत्पादकों को औपचारिक मूल्य श्रृंखलाओं से एकीकृत करना। स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) परिवारों की वित्तीय समावेशन को बढ़ाना। डेटा आधारित ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देना। शी-लीप्स को 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यान्वित किया जाएगा। यह चयनित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों की सहायता करेगा। यह प्लेटफॉर्म वास्तविक समय में उद्यमों का डेटा एकत्र करता है, जिससे ग्रामीण आर्थिक गतिविधियों की बेहतर जानकारी मिलती है। इसके परिणामस्वरूप, यह प्रणाली कई स्तरों पर निगरानी को भी मजबूत करती है। इससे स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। उद्यम विकास के लिए डिजिटल सेवाओं वाली शी-लीप्स विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक समय के परिचालन डेटा को एकत्रित करता है और आजीविका की पूरी यात्रा की निगरानी करता है। यह प्लेटफॉर्म प्रोफाइल निर्माण से लेकर उद्यम प्रदर्शन ट्रैकिंग तक हर चरण में सहायता प्रदान करता है। यह डिजिटल निगरानी को और मजबूत बनाता है, शासन में सुधार करता है और बेहतर योजना, हस्तक्षेप और



शी-लीप्स को 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यान्वित किया जाएगा। यह चयनित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों की सहायता करेगा। यह प्लेटफॉर्म वास्तविक समय में उद्यमों का डेटा एकत्र करता है, जिससे ग्रामीण आर्थिक गतिविधियों की बेहतर जानकारी मिलती है। इसके परिणामस्वरूप, यह प्रणाली कई स्तरों पर निगरानी को भी मजबूत करती है। इससे स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। उद्यम विकास के लिए डिजिटल सेवाएं शी-लीप्स विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक समय के परिचालन डेटा को एकत्रित करता है और आजीविका की पूरी यात्रा की निगरानी करता है। यह प्लेटफॉर्म प्रोफाइल निर्माण से लेकर उद्यम प्रदर्शन ट्रैकिंग तक हर चरण में सहायता प्रदान करता है। यह डिजिटल निगरानी को और मजबूत बनाता है, शासन में सुधार करता है और बेहतर योजना, हस्तक्षेप और सूचित नीतिगत निर्णयों को सक्षम बनाता है।

सूचित नीतिगत निर्णयों को सक्षम बनाता है। शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन द्वारा दी जाने वाली सेवाएं इस प्रकार हैं: शी-लीप्स, आय वृद्धि और उद्यम प्रदर्शन की संपूर्ण निगरानी प्रदान करके लखपति दीदी मिशन को मजबूती प्रदान करेगा। हाल ही में, सरकार ने लखपति दीदी योजना का लक्ष्य 3 करोड़ महिलाओं से बढ़ाकर 6 करोड़ कर दिया है। सरकार अगले पांच वर्षों में लखपति दीदियों

के लाभ के लिए 10 लाख करोड़ रुपये जारी करने की योजना बना रही है। यह महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की एक बड़ी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसलिए, शी-लीप्स मोबाइल एप्लिकेशन बड़े पैमाने पर उद्यम विस्तार को समर्थन देने की इस योजना का एक अभिन्न अंग है। महिलाओं के नेतृत्व वाली एक सशक्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण शी-लीप्स डिजिटल अवसंरचना,

उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण को मिलाकर ग्रामीण डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उद्यम विकास को समर्थन देकर और वित्तीय समावेशन को मजबूत करके, यह मंच लखपति दीदी मिशन को देशव्यापी स्तर पर फैलाने में सहायता करेगा। यह समावेशी और दीर्घकालिक ग्रामीण परिवर्तन का एक प्रमुख प्रेरक बनने के लिए तैयार है।

कुटिलता की चरम सीमा को पार करते आधुनिक कालनेमि

अयोध्या राम मंदिर का चढ़ावा चोरी विवाद निश्चय ही सनातन संस्कृति के अभ्युदय काल में एक दुखद अध्याय है। अब, जब चढ़ावा चोरी की दुखद घटना की एसआईटी द्वारा गहन जांच चल रही है ऐसे समय सनातन विरोधी अराजक राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे को अपनी राजनीति चमकाने का एक सुनहरा अवसर समझ लिया है। जो लोग अभी तक पीडीए राजनीति तक ही सीमित थे वे, अत्यंत अशोभनीय तरीके से भाजपा, संघ तथा विश्व हिंदू परिषद पर हमलावर होकर स्वयं को सबसे बड़ा रामभक्त और भाजपा, विहिप व संघ को सबसे बड़ा हिन्दू विरोधी और रामद्रोही साबित करने में जुट गए हैं। विरोधियों के अनर्गल प्रलाप ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुलकर आक्रामक अंदाज में हिंदुत्व की बात करने का अवसर दे दिया है। उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव को मथुरा की श्री कृष्णजन्मभूमि की मुक्ति के लिए आगे आने की चुनौती दी है। सपा मुखिया भाजपा और रामद्रोही साबित करने में जुट गए हैं। विरोधियों के अनर्गल प्रलाप ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुलकर आक्रामक अंदाज में हिंदुत्व की बात करने का अवसर दे दिया है। उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव को मथुरा की श्री कृष्णजन्मभूमि की मुक्ति के लिए आगे आने की चुनौती दी है। सपा मुखिया भाजपा और रामभक्त सरकार द्वारा उठाये गए कदमों और कार्रवायों को धैर्यपूर्वक देख-सुन रही है और उसे विश्वास है कि अपराधियों को उचित दंड अवश्य मिलेगा। वहीं दूसरी ओर जोर -जोर से चिल्लाकर समाचारों को संगीन बनाने वाले कुछ टीवी चैनल दानपत्रों से हुई चोरी पर बहस आयोजित कर रहे हैं जिनमें काफी अभद्र व आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग



अत्यंत आक्रामक तरीके से हो रहा है जिसे नियंत्रित करने की आवश्यकता है। आज वही लोग हमलावर हो रहे हैं जिन्होंने अयोध्या विवाद की शुरुआत वर्ष 1947 से लेकर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय आने तक व फिर उसके बाद दिव्य व भव्य राम मंदिर के उद्घाटन तक कभी भी विश्व हिंदू परिषद व रामभक्तों के आन्दोलन का समर्थन नहीं किया अपितु , अयोध्या में स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के शासनकाल में अयोध्या की गलियों व सरयू नदी में रामभक्तों का खून बहाया गया था। 6 दिसंबर को अयोध्या में वहां चले गए तो हमारा मुस्लिम वोटबैंक बहुत नाराज हो जाएगा।आज वही लोग चढ़ावा चोरी की आड़ में राजनीति बनाने में भाजपा की चार पान्तों की सरकारों को बर्खास्त कर दिया गया था। आज वही कालनेमि कपड़े बदलकर सनातनी हो गए हैं । पग- पग पर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले ये लोग जिस प्रकार से रामभक्तों के नाम पर विघटनकारी और उत्तेजक बयान दे रहे हैं ऐसे, चड़ियाली आंसू बहाने वाले अराजक तत्वों से बेहद सतर्क हो जाने का समय आ गया है। यह

नकार देती है जिस दल की सरकार को अब पंजाब की जनता भी डुबाने जा रही है वह भी अपने आपको कट्टर सनातनी बताने लग गई है । जन्मभूमि पर सुलभ शौचालय या अस्पताल बनाने की बात करने वाले वही कालनेमि अयोध्या गए , दान चोरी कर चड़ियाली आंसू बहाए, भाजपा, विहिप एवं संघ के शीर्ष नेतृत्व को गरियाने के नाम पर रामभक्त हिन्दुओं का अपमान किया । कुटिलता की सबसे तेज चाल आप पार्टी के संयोगिक अरबिंद केजरीवल ने चली जो प्रदेश के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय भी अवसर क्यों गंवाते वह भी लगे हाथ हो लिए । असल में, इस विवाद की आड़ में एक खतरनाक स्तर की राजनीतिक लड़ाई लड़ी जा रही है। आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए सपा व समस्त विरोधी दल एक अलग तरह का हिंदू नैरेटिव पेश करने का प्रयास कर रहे हैं और यह दिखाना चाह रहे हैं कि वह सनातन विरोधी नहीं हैं बल्कि मंदिर व्यवस्था व पुजारियों के एक वर्ग के खिलाफ हैं। इस प्रोपेगंडा के माध्यम से वह भाजपा के राष्ट्रवादी व सांस्कृतिक हिंदुत्व के समानांतर एक ऐसा वर्ग खड़ा करना चाह रहे हैं जो आपस में बंट जाए अर्थात् वह हिंदू बनाम हिंदू की लड़ाई करवान चाहते हैं तथा हिंदू समाज को टुकड़ों-टुकड़ों में विभाजित करके अपना स्वार्थ सिद्ध करने की विकृत चाल चल रहे हैं। सपा मुखिया को लगता है कि दलित व मुस्लिम गठजोड़ का वोटबैंक तो बस उनके साथ ही है अब, सर्वण व पिछड़ी जातियों में भेद पैदा करके तथा उनके मन में भाजपा के खिलाफ आक्रोश उत्पन्न करके अपना स्वार्थ सिद्ध कर लिया जाए। किंतु यह सब कुछ सपा के लिए इतना आसान नहीं

रहने वाला क्योंकि आमजन मुख्यमंत्री योगी की सनातन छवि के साथ ही उनकी प्रशासनिक क्षमताओं की कायल हो चुकी है । प्रदेश में विकास कार्यों की द्रुतगति के साथ ही अपराधियों पर कठोर कार्यवाही योगी जी की पहचान बन गयी है । वे अपने भाषणों में अपनी सरकार के दौरान किये गए विकास कार्यों का विवरण देने केसाथ ही अपने आक्रामक तेवरों के साथ जनता को बताते हैं कि जो लोग कभी जयश्रीराम का नारा लगाने वालों पर लाठीचार्ज करवाते थे वे आज रामभक्ति की क्वालत करने लग गए हैं। टीवी चैनलों की बहस में वही सपाईं अपनी छतियां पीट रहे हैं जो कभी कहते थे हम किसी भी हालत में मंदिर नहीं बनने देंगे। सपा मुखिया अखिलेश यादव आज रामालय ट्रस्ट के गबन की बात नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस के वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में भगवान राम को काल्पनिक बताया था उसके प्रवक्ता आज टीवी चैनलों पर अपनी छतियां पीट रहे हैं और आंसू बहा रहे हैं आज जब संपूर्ण भारत में मंदिरों का कायाकल्प हो रहा है तब उसे यह लोग भाजपा की लूट का जरिया बताकर सनातन का एक बार फिर अपमान ही कर रहे हैं। ये वही कालनेमि अराजक तत्व हैं जिन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हुए भयानक अत्याचार के विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठाई इन सेनयुत्तर नेताओ ने कभी जन्मु -कश्मीर के पीडितों के समर्थन मेंअपनी आवाज नहीं बुलंद की, आज वही लोग नकली सनातनी बन गए है। सपा व विरोधी दल यह सोच रहे है कि उन्हें इस विवाद का राजनीतिक लाभ मिल सकता है किंतु यही उनकी ऐतिहासिक भूल भी सिद्ध होने वाली है।

आज का राशि फल

मे़ष राशि: आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।



समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी।। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रूझान बढ़ेगा। **कर्क राशि:** आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूँढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलुशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। **सिंह राशि:** आज आपका दिन

अच्छा रहेगा।। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपका हाल ढूँढने की कोशिश करेंगे, वो सफल होगा। **कन्या राशि:** आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखे कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह

आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। तुला **राशि:** आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वचस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की र्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा। **वृश्चिक राशि:** आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालाँकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो

जाएँगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपति के बीच घरटीयों संभव है। लोग आपके रिशतों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। **धनु राशि:** आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। **मकर राशि:** आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को

स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है। **कुंभ राशि:** आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक काम का आयोजन करेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा सभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए। **मीन राशि:** आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूँढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जाँच कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

बांस उत्पादों के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कदम उठाए जा रहे हैं : कलेक्टर के. दिनेश कुमार

रम्पचोडवरम, ४ जुलाई (पेन पावर): पोलवरम जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने कहा कि जिले की महिलाओं को बांस उत्पादों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। शनिवार को रम्पचोडवरम स्थित आईटीडीए सभागार में डीआरडीए अधिकारियों, सब—डीएफओ, वन क्षेत्राधिकारियों और आईएसबी प्रतिनिधियों के साथ बांस उत्पादों के विकास एवं प्रोत्साहन पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों को बांस आधारित उत्पादों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। उन्होंने जिले में कार्यरत वन संरक्षण समितियों (बीएसएस) की संख्या, उनकी वार्षिक आय तथा उस आय का विकास कार्यों में उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है, इसकी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ‘अरण्य श्री’ के विकास के लिए ग्राम सभाओं में अनिवार्य रूप से प्रस्ताव पारित किए जाने चाहिए। कलेक्टर ने बताया कि केंद्र सरकार प्रत्येक सामुदायिक वन अधि कार (सीएफआर) समिति को जनजातीय विकास के लिए 15 लाख रुपये प्रदान कर रही है। इन

निधियों का उपयोग सरकार द्वारा निर्धारित भूमि पर पौधारोपण एवं विकास कार्य पूर्ण होने के बाद संबंधित गांवों के विकास कार्यों में किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के विभिन्न गांवों में बांस की खेती और बांस आधारित उत्पादों के प्रति जागरूकता पैदा की जाए तथा सीएफआर कार्य योजनाएं तैयार कर प्रस्तुत की जाएं। कलेक्टर ने कहा कि जनजातीय महिलाओं द्वारा निर्मित बांस उत्पादों को बाजार से जोड़ने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि उन्हें स्थायी आजीविका के अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि वन उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए देवरापल्ली गांव में एक प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की गई है। उन्होंने डीआरडीए अधि कारियों से अपील की कि वे जनजातीय महिलाओं को बांस आधारित गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करें, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें और उनकी आय में वृद्धि हो सके। इस बैठक में सब—डीएफओ सुब्बा रेड्डी और रविंद्रनाथ, डीआरडीए परियोजना निदेशक डॉ. दासरी रत्नाकर राव, डीपीएम दुर्गाप्रसाद, वन क्षेत्राधिकारी जी.वी. नानाजी और आजाद, आईएसबी प्रतिनिधि हेमंत और पसंगी तथा आरओएफआर समन्वयक जी. आनंद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बच्चों में कानूनी जागरूकता बढ़ाने के लिए कंदुकूर में विधिक सेवा शिविर आयोजित



कंदुकूर, पेन पावर, ४ जुलाई : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) के दिशा—निर्देशों तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की वार्षिक गतिविधि यों के तहत शनिवार को कंदुकूर स्थित जनार्दन स्वामी मंदिर परिसर में बच्चों के लिए “नवीन विधिक सेवा शिविर” का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA) के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला न्यायाधीश ए. सत्यनंद ने कहा कि कानून द्वारा प्रदत्त बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायालय पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा मंडल विधिक सेवा समितियां पात्र लाभार्थियों को निशुल्क कानूनी सलाह और विधिक सहायता प्रदान करती हैं। प्रधान जिला न्यायाधीश ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में प्रारंभिक स्तर से ही कानूनी जागरूकता विकसित करने में सहायक होते हैं, जिससे वे अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझकर

जिम्मेदार नागरिक बन सकें। इस अवसर पर उप कलेक्टर हिमवंशी ने कहा कि राजस्व विभाग विधि क सेवा प्राधिकरण को हर संभव सहयोग प्रदान कर रहा है तथा संस्था द्वारा आयोजित कानूनी जागरूकता कार्यक्रमों को आम जनता तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में डीएलएसए के प्रभारी सचिव एवं वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश सी.एच.वी. रामकृष्ण भी शामिल हुए। अन्य गणमान्य अतिथियों में कंदुकूर न्यायालय के वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश के.के.वी. बुल्ली कृष्ण, कंदुकूर डीएसपी बालासुब्रमण्यम, कनिष्ठ सिविल न्यायाधीश दुर्गा कल्याणी और अन्नपूर्णा, बार एसोसिएशन अध्यक्ष श्रीधर नायडू तथा कंदुकूर नगर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र उपस्थित रहे। शिविर स्थल पर विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा सूचना स्टॉल भी लगाए गए, जहां बच्चों और आम जनता को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा विधिक सेवाओं की जानकारी दी गई।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही पर तीन बीएलओ निलंबित

अनकापल्ली, पेन पावर, ४ जुलाई: जिला कलेक्टर विजया कृष्णन ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रै) कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में तीन बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। अधि कारियों की कार्यप्रणाली में गंभीर त्रुटियां पाए जाने के बाद शनिवार को यह कार्रवाई की गई। **निलंबित अधिकारियों में शामिल हैं:** — श्रीमती बी. वैदूर्यम, पंचायत सचिव एवं बीएलओ, मतदान केंद्र संख्या 224, पायडिपाला, माकावरापालेम मंडल। — श्री पी. अप्पलाचारी, पंचायत सचिव एवं बीएलओ, मतदान केंद्र संख्या 257, कोडूरू, माकावरापालेम मंडल। — श्री वी. रामबाबू, पंचायत सचिव एवं बीएलओ, मतदान केंद्र संख्या 244, राचापल्ली, माकावरापालेम मंडल। अधिकारिक आदेशों के अनुसार, आंध्र प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1991 के नियम 8 की उपधारा (1) के

तहत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए जिला कलेक्टर ने यह कार्रवाई की। जांच में पाया गया कि संबंधित अधिकारियों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अपने कर्तव्यों का उचित निर्वहन नहीं किया तथा निष् ररित नियमों और प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया। कलेक्टर विजया कृष्णन ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में लापरवाही, कर्तव्य में کوتाही और दिशा—निर्देशों का उल्लंघन किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्य में लगे सभी अधिकारियों को पूरी ईमानदारी, जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए, ताकि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। जिला प्रशासन ने दोहराया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया की पवित्रता और विश्वसनीयता बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही चेतावनी दी गई कि सौंपे गए कार्यों में लापरवाही बरतने वाले किसी भी अधि कारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागों के बीच समन्वय आवश्यक : कलेक्टर के. दिनेश कुमार

रम्पचोडवरम, ४ जुलाई (पेन पावर): पोलवरम जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम (एफआरए)—2006 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधि त विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए। शनिवार को रम्पचोडवरम स्थित आईटीडीए सभागार में वन अधि कार अधिनियम, 2006 के क्रियान्वयन पर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर ने की। बैठक में चित्तूर आईटीडीए परियोजना अधिकारी शुभम नोकवाल, डीएफओ शिव कुमार गंगाल और रविंद्रनाथ रेड्डी, सब—डीएफओ तथा जिले के वन क्षेत्राधिकारी उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि अधि नियम के तहत पात्र आदिवासियों एवं अन्य पारंपरिक वनवासियों के अधिकारों को पारदर्शी तरीके से और नियमों के अनुरूप मान्यता प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने अधि कारियों को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों के आवेदनों की शीघ्र जांच कर लंबित मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और प्रत्येक आवेदन का क्षेत्रीय



स्तर पर व्यापक सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए। साथ ही, आदिवासी समुदायों को कानून के प्रति जागरूक करते हुए प्रत्येक पात्र व्यक्ति को न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पोलवरम जिले में विभिन्न सड़क परियोजनाओं के लिए वन स्वीकृ तियों (फॉरेस्ट क्लीयरेंस) की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने जनजातीय कल्याण इंजीनियरिंग विभाग, सड़क एवं भवन विभाग तथा पंचायती राज इंजीनियरिंग विभाग के अधि

कारियों को लंबित वन स्वीकृ तियों को शीघ्र पूरा करने और स्वीकृत सड़क कार्यों को तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी जानकारी ली कि वन अधिकार अधिनियम के तहत अब तक कितने आदिवासियों को भूमि पट्टे प्रदान किए गए हैं और कितनी भूमि आवंटित की गई है। इसके अलावा, आंध्र—तेलंगाना सीमा क्षेत्रों की स्थिति, वर्ष 2005 से पूर्व बसे गांवों को सड़क संपर्क उपलब्ध कराने, उपग्रह मानचित्रण के माध्यम से वन भूमि की पहचान तथा वेबलैंड

रिकॉर्ड में वन कृषि भूमि के पंजीकरण की समीक्षा भी की। कलेक्टर ने कहा कि वन अधि कार अधिनियम के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए प्रत्येक सप्ताह एक बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने जिले के राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में स्थित आदिवासी गांवों को सड़क संपर्क प्रदान करने के लिए प्रस्तावित वन स्वीकृ तियों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक वन स्वीकृति प्रस्ताव नोडल अधि कारी के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए तथा सड़कों से संबंधित वन स्वीकृति मामलों पर जिला

स्तरीय समिति (डीएलआईसी) द्वारा विस्तृत जांच के बाद निर्णय लिया जाएगा। बैठक में डीएफओ शिव कुमार गंगाल एवं रविंद्रनाथ रेड्डी, जिला राजस्व अधिकारी पी. अंबेडकर, सब—डीएफओ सुब्बा रेड्डी और रविंद्रनाथ, डीआरडीए परियोजना निदेशक डॉ. दासरी रत्नाकर राव, कार्यकारी अभियंता आई. श्रीनिवास राव, राघव रेड्डी और जेबीवी रेड्डी, डीई भवानी एवं रमेश, आरओएफआर समन्वयक जी. आनंद तथा रम्पचोडवरम और चित्तूर डिवीजन के वन अधिकारी उपस्थित रहे।

क्रांतिकारी वीर अल्लरी सीताराम राज को हमेशा याद रखना चाहिए : कलेक्टर के. दिनेश कुमार

रम्पचोडवरम, ४ जुलाई (पेन पावर): पोलवरम जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने कहा कि देश की आजादी के लिए ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू को हर भारतीय को हमेशा याद रखना चाहिए। अल्लूरी सीताराम राजू की 130वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को रम्पचोडवरम स्थित आईटीडीए सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार, चित्तूर आईटीडीए परियोजना अधिकारी शुभम नोकवाल, डीएफओ शिवकुमार गंगाल और रविंद्रनाथ रेड्डी ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि अल्लूरी सीताराम राजू ने आदिवासी समुदाय को संगठित कर ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने रम्पचोडवरम, कृष्णदेवीपेट, अड्डातीगला और राजावोम्मांगी के पुलिस थानों पर हमले कर हथियारों को अपने कब्जे में लिया और ब्रिटिश शासन को चुनौती दी।



उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक हथियारों से लैस ब्रिटिश सेना का अल्लूरी सीताराम राजू ने अपने असाधारण साहस और रणनीतिक नेतृत्व के बल पर डटकर मुकाबला किया। उन्होंने कभी व्यक्तिगत लाभ के लिए संघर्ष नहीं किया, बल्कि आदिवासी लोगों के कल्याण और उनके अधिकारों के लिए आप

जीवन समर्पित कर दिया, जिसके कारण वे आज भी “मन्यम वीरुडू” के रूप में आदिवासियों के दिलों में अमर हैं। 4 जुलाई 1897 को जन्मे अल्लूरी सीताराम राजू 7 मई 1924 को ब्रिटिश शासन के हाथों वीरगति को प्राप्त हुए। उनका जीवन भले ही छोटा रहा हो, लेकिन उनकी देशभक्ति, वीरता

और बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेंगे। कलेक्टर ने कहा कि उनके सम्मान में एक जिले का नाम “अल्लूरी सीताराम राजू जिला” रखा जाना उनके महान योगदान को सच्ची श्रद्धांजलि है। इस कार्यक्रम में जिला राजस्व अधिकारी पी. अंबेडकर, एपीओ जनरल डीएनवी रमणा, सब—डीएफओ जे.बी. सुब्बा

रेड्डी और रविंद्र राव, डीआरडीए पीडी डॉ. दासरी रत्नाकर राव, डीईओ जी. श्रीराम मूर्ति, आईसीडीएस पीडी के. उमा, जिला उद्यान अधिकारी देवदानम, पीएचओ नरेंद्र कुमार तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्होंने भी अल्लूरी सीताराम राजू को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कंदुकूर एएमसी शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री डोला श्री बाला वीरंजनय स्वामी ने विकास और कल्याण एजेंडे पर दिया जोर

कंदुकूर, प्रकाशम जिला, पेन पावर, ४ जुलाई : आंध्र प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री डॉ. डोला श्री बाला वीरंजनय स्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास और कल्याण को समान प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि ये दोनों शासन की “दो आंखें” हैं। मंत्री शनिवार को कंदुकूर में नवनि्युक्त कृषि बाजार समिति (एएमसी) अध्यक्ष के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्ववर्ती प्रकाशम जिले के जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। डॉ. स्वामी ने आरोप लगाया कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में राज्य की वित्तीय स्थिति को कमजोर

कर दिया था। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में संपत्ति सृजन, तेज विकास और व्यापक कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार अपने चुनावी वादों को पूरा कर रही है, जिसमें ‘सुपर सिक्स’ कल्याणकारी प्रतिबद्धताओं का कार्यान्वयन भी शामिल है। रोजगार के मुद्दे पर उन्होंने बताया कि सरकार ने मेगा डीएससी के माध्यम से 16,000 शिक्षकों की भर्ती पूरी कर ली है। साथ ही उन्होंने वाईएसआरसीपी पर भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया। मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 20 लाख रोजगार अवसर सृजित करना है। उन्होंने बताया कि



मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और मंत्री नारा लोकेश राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के साथ संवाद कर राज्य में निवेश और उद्योगों को आकर्षित कर रहे हैं। राज्य की राजधानी के मुद्दे पर डॉ. स्वामी ने पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी

राजधानी संबंधी टिप्पणियों में निरंतरता नहीं रही। उन्होंने दावा किया कि अमरावती को संसद की स्वीकृति और केंद्र सरकार की राजपत्र अधि सूचना के माध्यम से आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में मान्यता प्राप्त है। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने जिला पुनर्गठन के बाद कंदुकूर को

पुनः प्रकाशम जिले में शामिल करने का अपना वादा पूरा कर जनता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित की है। उन्होंने लोगों से अपील की कि आंध्र प्रदेश में निरंतर विकास और जनकल्याण सुनिश्चित करने के लिए वे गठबंधन सरकार का समर्थन जारी रखें।

फराह खान अली बोलीं- हम हाथ पकड़ते, चिट्ठियां लिखते

संजय खान और जरीन खान की बेटी फराह खान अली और बाँबी देओल के डेटिंग की खबरें तब से उड़ीं जब वे साथ बड़े हो रहे थे। फराह खान अली एक मशहूर जूलरी डिजाइनर हैं और बचपन में बाँबी के साथ उनकी डेटिंग की खबरों पर अब उन्होंने रिएक्ट किया है। उन्होंने ये भी बताया है कि क्या नीलम कोठारी के बाँबी देओल की जिंदगी में आने से उनके और नीलम के रिश्ते में खटास आ गई।

फराह ने बाँबी के साथ अपने रिश्ते पर बातें करते हुए कहा वह और बाँबी बचपन के दोस्त थे और उन्हें बहुत खुशी है कि अब बाँबी की शादी तान्या से हो गई है। विक्की लालवानी को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'हम चाइल्डहुड स्वीटहार्ट थे।'

फराह ने इस बातचीत में कहा, 'मुझे उन पर बहुत क्रश था। उन्हें भी मुझ पर बहुत अधिक क्रश था। बस इतना ही। मतलब और कुछ नहीं। हम हाथ पकड़ते थे। एक-दूसरे को चिट्ठियां लिखते थे। बस। डेटिंग नहीं, मतलब, वो दिन आज के दिनों जैसे नहीं थे। मैं 16 साल की थी, बाँबी 17 साल के थे। ये करीब 40 साल पहले की बात है, जिंदगी बहुत अलग

एक्टर चंद्रचूड़ सिंह के घर के बाहर चला बुलडोजर सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन

गुरुग्राम के पॉश इलाके DLF Phase 3 में गैर कानूनी निर्माण पर गुरुग्राम में जिला योजनाकार (डीटीपी) का बुलडोजर चला। इसी क्रम में बॉलीवुड के मशहूर एक्टर चंद्रचूड़ सिंह के घर के बाहर बने अवैध निर्माण पर भी बुलडोजर चला दिया गया। बताया जाता है कि एक्टर के घर की स्टिल्ट पार्किंग एरिया में नियमों के विरुद्ध निर्माण किया गया था, जिसे अवैध माना गया और इसे हटा दिया गया।

रिपोर्टर के मुताबिक, अवैध निर्माण को लेकर प्रशासन की ओर से पहले ही नोटिस जारी किए गए थे। हालाँकि, दिए गए समय में में संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद यह सख्त कदम उठाया गया है। इस एक्शन से वहां अवैध निर्माण करने वालों में आसपास

पहले 12 किलो वजन बढ़ाया फिर 15 किलो घटाया, ‘लव एंड वॉर’ के लिए विक्की कौशल ने किया जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन

एक्टर विक्की कौशल संजय लीला भंसाली के साथ अपनी पहली फिल्म 'लव एंड वॉर' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। दो साल से ज्यादा समय से बन रही यह फिल्म अब पूरी होने वाली है। अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि विक्की कौशल ने अपने किरदार के दो अलग-अलग रूप दिखाने के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है। उन्होंने पहले काफी वजन बढ़ाया और फिर उसे पूरी तरह घटाया।

पहले वजन बढ़ाया, फिर घटाया
विक्की इस रोल के लिए जरूरी फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर बहुत समर्पित थे। 'लव एंड वॉर' की शूटिंग शुरू करते समय किरदार में ढलने के लिए उन्होंने लगभग 12 किलो वजन बढ़ाया और फिर फिल्म के क्लाइमेक्स की शूटिंग के लिए लगभग 15 किलो वजन घटाकर जबरदस्त



ट्रांसफॉर्मेशन किया। अपने काम के प्रति उनका समर्पण हमेशा ही कान्विले-तारीफ रहा है। 'छावा' में भी किया था जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन यह पहली बार नहीं है जब विक्की ने किसी रोल के लिए अपना फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया हो। एक्टर ने 2025 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'छावा' में

एक एक्सीडेंट ने बदल दी नागार्जुन के बेटे अखिल की जिंदगी दो बार हुई सर्जरी; ‘लेनिन’ की रिलीज से पहले एक्टर ने साझा किया दर्द

एक्टर अखिल अक्किनेनी 2015 में अपने डेब्यू के बाद से ही एक हिट फिल्म के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सुरेंद्र रेड्डी की फिल्म 'एजेंट' के बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होने के बाद उन्होंने 3 साल का ब्रेक लिया था। एक्टर ने बताया कि यह ब्रेक न सिर्फ फिल्म के फ्लॉप होने की वजह से था, बल्कि एक अजीब हादसे की वजह से भी था। फिलहाल वह अपनी कमबैक फिल्म 'लेनिन' के प्रमोशन में व्यस्त हैं।



दो बार करवाली पड़ी सर्जरी
अखिल ने बताया कि 'एजेंट' फिल्म के रिलीज होने के बाद उनका एक अजीब सा एक्सीडेंट हो गया था, जिसके लिए उन्हें दो बार सर्जरी करवानी पड़ी। उन्होंने बताया कि मैं समझ सकता हूँ कि यह एक लंबा ब्रेक था। आधी गलती मेरी थी और आधी चीजें मेरे हाथ में नहीं थीं। मुझे ऐसी चोट लगी थी जिसे ठीक होने में 16 महीने लग गए। इसमें कुछ समय लगा। मेरे बाएँ हाथ की दो सर्जरी हुईं। 'एजेंट' के रिलीज होने के 3-4 महीने बाद मुझे चोट लगी थी। यह एक अजीब एक्सीडेंट था। मैं बाथरूम के गीले फर्श पर फिसल गया और कांच के एक



थी। आज 16 और 17 साल की उम्र में ऐसा नहीं होता।'

हम चाइल्डहुड स्वीटहार्ट थे। मुझे उन पर बहुत क्रश था। उन्हें भी मुझ पर बहुत अधिक क्रश था। बस इतना ही। मतलब और कुछ नहीं। हम हाथ पकड़ते थे। एक-दूसरे को चिट्ठियां लिखते थे। बस। डेटिंग नहीं, मतलब, वो दिन आज के दिनों जैसे नहीं थे। मैं 16 साल की थी, बाँबी 17 साल के थे। ये करीब 40 साल पहले की बात है, जिंदगी बहुत अलग थी। फराह ने इस बातचीत में यह भी बताया कि टीनेज में उनके इस हल्के-फुल्के रोमांस के बावजूद, वह और बाँबी काफी सालों तक बेहद करीब रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी तान्या देओल के साथ भी उनकी काफी अच्छी

बॉन्डिंग है। फराह ने कहा, 'वह शायद आज मेरे सबसे करीबी दोस्तों में से एक हैं और उनकी पत्नी तान्या भी, जिन्हें मैं दिल से बहुत प्यार करती हूँ।'

बाँबी देओल के साथ अपने रिश्ते को लेकर विस्तार से बातें करते हुए उन्होंने कहा, 'वे मेरे लिए परिवार की तरह हैं और मैं उन दोनों के लिए कुछ भी कर सकती हूँ। मुझे बेहद खुशी है वे एक-दूसरे को मिल गए क्योंकि वे एक-दूसरे के लिए बिल्कुल परफेक्ट हैं।'

फराह ने उन खबरों को गलत बताया है जिनमें कहा जा रहा था कि उनके और बाँबी के बीच एक्ट्रेस नीलम कोठारी आ गई थीं और इसलिए उन्होंने बाँबी से दूरी बना ली थी। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि उनके बीच कभी कोई गलतफहमी नहीं थी और नीलम हमेशा से ही उनकी करीबी दोस्त रही हैं। उन्होंने उन बातों को साफ करते हुए कहा, 'यह बिल्कुल सच नहीं है। नीलम मेरी सबसे प्यारी दोस्त है। वह बाँबी और मेरे बाद बाँबी की जिंदगी में आईं। इसलिए, ऐसा नहीं है कि उसने हमें अलग किया। इसलिए, मैं इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हूँ।



को साइड कर किए गए किसी भी निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा।

चंद्रचूड़ सिंह की फिल्में

चंद्रचूड़ सिंह की फिल्मों की बात करें तो वे 'माचिस' (1996), 'तेरे मेरे सपने' (1996), 'जोश' (2000), 'दाग: द फायर' (1999) जैसी फिल्मों में अपनी भूमिका के लिए जाने जाते रहे हैं। वहीं सुष्मिता सेन के साथ 'आर्या' में तेज सरीन की भूमिका में लोगों ने उन्हें काफी पसंद किया था।

फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। लेकिन चर्चा है कि इसमें रणबीर और विक्की एयर फोर्स पायलट की भूमिका में नजर आएंगे।

'लव एंड वॉर' की घोषणा सबसे पहले 2024 में हुई थी और इसे क्रिसमस 2025 में रिलीज किया जाना था। बाद में इसे अनिश्चित काल के लिए टाल दिया गया। हालांकि, मेकर्स ने कभी रिलीज की तारीख का ऐलान नहीं किया, लेकिन खबरों के मुताबिक इसे मार्च 2026 में रिलीज करने का प्लान था। लेकिन वह तारीख भी गुजर गई। अप्रैल में फिल्म के मेकर्स ने घोषणा की कि 'लव एंड वॉर' आखिरकार 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो गणतंत्र दिवस के आस-पास का समय है।

मुझे पूरी तरह झकझोर कर रख दिया था। लगभग 7-8 महीनों तक मैं कोई वजन नहीं उठा सका। पूरी तरह ठीक होने में कुल 16 महीने लग गए।

मानसिक रूप से उबरने और दोबारा जिम जाने या एक्शन करने की हिम्मत जुटाने में मुझे बहुत मुश्किल हुई। उस अनुभव और मेरी पिछली फिल्म के नतीजों को देखते हुए, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा सफर था जिससे मुझे गुजरना ही था। मैं बस इतना भरोसा दिला सकता हूँ कि मैं ऐसा दोबारा नहीं होने दूंगा।

अखिल ने खुलकर यह भी माना कि एक्सीडेंट के तुरंत बाद उन्हें दर्द और निराशाजनक ख्याल महसूस हुए। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने उस निराशा और दर्द को 'लेनिन' के साथ अपनी वापसी के लिए ऊर्जा में बदल दिया।

10 जुलाई को रिलीज होगी ‘लेनिन’

मुरली किशोर अब्बुरू द्वारा निर्देशित 'लेनिन' में अखिल के साथ भाग्यश्री बोर्से प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

‘मां इंटी बंगारम’ की निर्देशक ने सामंथा को बताया सुपरस्टार कहा – ‘उन्होंने प्रेग्नेंसी में की गाने और चेज सीन की शूटिंग’

एक्टर सामंथा रूथ प्रभु ने अपने दूसरे प्रोडक्शन वेंचर 'मा इंटी बंगारम' के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया, तब भी जब उन्हें पता चला कि वह प्रेग्नेंट हैं। फिल्म की सक्सेस पार्टी के दौरान अपनी प्रेग्नेंसी का इशारा करने और कुछ दिनों बाद इसकी पुष्टि करने के बाद अब डायरेक्टर बीबी नंदिनी रेड्डी ने अब बताया है कि सामंथा ने प्रेग्नेंसी के दौरान ही फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग की थी। इसमें एक गाना और कार का पीछा करने वाला सीन भी शामिल है।

गाने की शूटिंग के दौरान प्रेग्नेंसी का पता चला

फिल्म की निर्देशक नंदिनी ने बताया कि सामंथा 'थसाडिया' गाने की शूटिंग कर रही थीं, तभी उन्हें अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि गाने में जोरदार डांस मूव्स थे और टीम को अभी भी एक कार चेज सीक्वेंस शूट करना था, हालांकि ज्यादातर मुश्किल और शारीरिक मेहनत वाले हिस्से तब तक पूरे हो चुके थे।

नंदिनी ने कहा हमने ध्यान रखा कि यह उनके लिए बहुत ज्यादा थकाने वाला न हो और उन्हें बीच-बीच में आराम मिलता रहे। शूटिंग के दौरान गर्मी का मौसम आ रहा था, इसलिए हमने तेज धूप में शूटिंग नहीं की। हमने यह पक्का करने के लिए सावधानी बरती कि वह बहुत ज्यादा थक न जाएं।

'बेटा कुंवारा और खुद तीसरी शादी', आमिर खान पर बरसे लोग

आमिर खान ने हाल ही अपनी तीसरी शादी पर बात की और उनके बाजू में बेटे जुनैद खान खड़े थे। आमिर 61 की उम्र में तीसरी शादी कर रहे हैं, जबकि जुनैद 33 साल के हैं और अभी भी कुंवारे हैं। बेटे के सामने यूं आमिर का शादी की बात करना यूजर्स को खला और उन्होंने एक्टर को खूब सुनाया।

इससे ज्यादा हैरानी की बात क्या होगी कि आमिर खान जहां 61 साल की उम्र में तीसरी शादी कर रहे हैं, वहीं बड़ा बेटा जुनैद 33 साल की उम्र में भी कुंवारा है। लेकिन इससे भी ज्यादा झटके वाली बात तब देखने को मिली, जब आमिर 33 साल के बेटे के सामने ही अपनी तीसरी शादी की बात करते दिखे। वीडियो सामने आया है, तो उस पर यूजर्स के काफी कमेंट्स आने लगे। और तो और इसमें आमिर के बेटे जुनैद का रिएक्शन और चेहरे के हाव-भाव भी देखने वाले थे। यूजर्स ने हैरानी जताई कि आमिर का 33 साल का बेटा



सामंथा हर मानले में सुपरस्टार हैं

सामंथा की तारीफ करते हुए नंदिनी ने कहा कि वह हर मामले में सुपरस्टार हैं। उनकी परफॉमेंस, उनका ड्यूमर, उनके इमोशन्स,

उनका एक्शन, उनका डांस मतलब, उन्होंने सब कुछ किया है। हमारी कोशिश उन्हें उनके पूरे जलवे के साथ दिखाने की थी। हमें पता था कि इससे फिल्म के

'बेटा कुंवारा और खुद तीसरी शादी', आमिर खान पर बरसे लोग



कुंवारा है। उसकी शादी की बात सोचने के बजाय आमिर 61 की उम्र में तीसरी शादी करने चले। इससे शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता।आमिर खान 5 जुलाई को ग्लॉफ़ेड गौरी स्मैट के साथ शादी कर रहे हैं, जो उम्र में उनसे 14 साल छोटी हैं। यह आमिर की तीसरी शादी

एक्शन दमदार, पर कमजोर कहानी ने फेरा आलिया भट्ट की मेहनत पर पानी



खुलासा करता है, जिसके तहत सबसे तेज और जांबाज कमांडो तैयार किए जाएंगे। मिशन में जानलेवा खामी मिलने के बावजूद फतेह पीछे नहीं हटता और एक ड्रैमेटिक घटनाक्रम में विक्रांत की नवजात बेटी सीता (आलिया भट्ट) को अपने मिशन के लिए गिनी पिग बना डालता है।

नन्ही सीता बड़ी होती है तो फतेह को ही अपना बाबा समझती है। 'अल्फा' मिशन के तहत उसकी परवरिश एक शार्प कमांडो के तौर पर की जाती है। वह अपने बाबा के एक इशारे पर लोगों को मौत की नौद सुला देती है। लेकिन आखिरकार सीता को पता चलता है कि असली रावण फतेह खुद है। यही नहीं, उसे अपने असली पिता और बहन दुर्गा (शर्वरी) का भी पता चलता है, अब यह सीता

लिए जादू हो जाएगा क्योंकि लोग उन्हें बहुत पसंद करते हैं। वह दिखने में छोटी-सी लगती है, लेकिन उनके कंधे बहुत मजबूत हैं, जिन पर वह चीजों को बहुत अच्छे से संभालती हैं।

शूटिंग के दौरान हम सब एक ही मकसद के लिए काम कर रहे थे और वह था हमारी हीरो, सामंथा को बेहतरीन तरीके से पेश करना। मुझे लगता है कि हर कोई इसके लिए तैयार था, इसलिए मजा आया।

सबसे अधिक कमाई करने वाली महिला-प्रधान तेलुगु फिल्म बनी ‘मां इंटी बंगारम’

'मां इंटी बंगारम' 2021 के बाद सामंथा की बॉक्स ऑफिस पर पहली बड़ी हिट है। नागा चैतन्य से अलग होने और फिर तलाक के कुछ समय बाद ही उन्हें मायोसिटिस का पता चला और वह कुछ समय के लिए काम से दूर हो गईं।

उनके बाद के प्रोजेक्ट्स, 'शाकुंतलम' और 'खुशी', दर्शकों को उतने पसंद नहीं आए, लेकिन बीमारी और प्रेग्नेंसी के दौरान भी उन्होंने काम करना जारी रखा। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी एक रिकॉर्ड बनाया है और यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला-प्रधान तेलुगु फिल्म बन गई है। दुनिया भर में 80 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई के साथ इसने अनुष्का शेट्टी की 2009 की फिल्म 'अरुंधति' के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है।

है। पहली दो शадियों से आमिर के तीन बच्चे हैं और अब तीसरी शादी गौरी से कर रहे हैं, जिनका एक बेटा है। आमिर ने हाल ही 'एएनआई' से अपनी शादी के बारे में बात की।

गौरी स्मैट संग शादी पर आमिर खान बोले
आमिर ने बताया, 'मेरी शादी हो रही है 5 जुलाई को। बहुत छोटी शादी है और घर पर ही कर रहे हैं। बहुत खास दिन है हमारे लिए। बस दोनों फैमिली और कुछ खास लोग हैं। तो घर पर ही कर रहे हैं हम लोग। और सबकी दूआएं चाहेंगे। आप लोग प्रार्थना करें कि हम लोग खुश रहें और अच्छा सफर रहे हमारा।'

इस वीडियो को देख फैस का आमिर के बेटे जुनैद पर तरस आने लगा, जो इस दौरान एक्टर के बराबर में ही खड़े थे और चेहरे के हाव-भाव देखने वाले थे। वीडियो देख एक यूजर ने X पर लिखा, 'दूसरों को जिंदगी जीने का तरीका सिखाते रहे, लेकिन इतने सालों में खुद कभी खुशी नहीं पा सके, बेचारे।'

केमिस्ट्री है, जो पदें पर प्यारी लगी है। कम स्क्रीन स्पेस के बावजूद शर्वरी दर्शकों के चेहरे पर थोड़ी मुस्कान लाती हैं। बाँबी देओल विलन के अवतार में फिल्म को मजबूती से संभालते हैं, जबकि अनिल कपूर का अनुभव काम आता है। लेकिन असल दिक्कत उदय चोपड़ा की लिखी कहानी है।

ऐसा अक्सर होता है कि एक्शन फिल्म बनाते वक्त मेकर्स कहानी में लॉजिक को किनारे रख देते हैं। 'अल्फा' में भी यही हुआ है। शुरूआत में किरदारों की अच्छी बैक स्टोरी बुनने के बाद में एक्शन की आधी में सारे तर्क-वितर्क उड़ जाते हैं। मतलब सेना का एक अधिकारी अकेले दम पर इतना बड़ा मिशन चला रहा है और हमारी खुफिया एजेंसियों को कानों का कुछ खबर ही नहीं है! यह बात गले नहीं उतरती।

फिल्म का क्लाइमेक्स भी खासा प्रिडिक्टेबल और निराशाजनक है। बैकग्राउंड स्कोर कई जगह एक्शन को बल देता है, तो कई जगह लाउड लगता है। बाकी, म्यूजिक में 'बम बम' गाना ही मजेदार है। 'अल्फा' YRF स्पाई यूनिवर्स की 7वीं फिल्म है। इस फिल्म से एक फीमेल्-लीड एक्शन स्पाई के तौर पर मेकर्स की नीयत भी अच्छी है। लेकिन अफसोस कि कमजोर कहानी और ढीले स्क्रीनप्ले के कारण, आलिया भट्ट की मेहनत, शर्वरी के चार्म, बाँबी देओल के स्वेग और अनिल कपूर के अनुभव का फ़िल्म फायदा नहीं उठा पाती है। श्र्गतिक रोशन का कैमियो कुछ देर के लिए ही सही, अच्छा लगता है।